बुधवार
22 जून 2022

पृष्ठ 4

**नारियल के तेल से बनाएं लिपबाम!**

पृष्ठ 5

**फिल्म सौकन सौंकने की सफलता के राज का सरगुन मेहता ने किया खुलासा**

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 139
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

**आज का विचार**

धन उत्तम कर्मों से उत्पन्न होता है, प्रगल्भता (साहस, योग्यता व दृढ़ निश्चय) से बढ़ता है, चतुराई से फलता फूलता है और संयम से सुरक्षित होता है।
— विदुर

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

## विजिलेंस के सामने पहुंच ही गए आईएएस रामविलास यादव

विशेष संवाददाता

देहरादून। आखिरकार आईएएस अधिकारी रामविलास यादव आ ही गए विजिलेंस के शिकंजे में, उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाती है या नहीं यह तो हाईकोर्ट के फैसले पर निर्भर करता है लेकिन अदालत के सख्त रुख के बाद आज वह अपना बयान दर्ज कराने के लिए विजिलेंस दफ्तर पहुंच गए हैं।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आरोपी रामविलास यादव जो वर्तमान में कृषि विभाग में अपर सचिव पद पर तैनात हैं और उन्हें कई बार विजिलेंस द्वारा बुलाया जा चुका था लेकिन वह कभी भी विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए। विजिलेंस द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने और अभी हाल में ईडी द्वारा उनके कई ठिकानों पर छापेमारी किए जाने के बाद उनके ऊपर कानून का शिकंजा कसा जा चुका है। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने नैनीताल हाईकोर्ट में जो प्रार्थना पत्र दिया गया था उस पर सुनवाई करते

**●हाईकोर्ट कल सुनाएगा फैसला गिरफ्तारी होगी या नहीं**
**●आय से अधिक संपत्ति कमाने के आरोपों में फंसे हैं यादव**

हुए अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से मना कर दिया गया और उन्हें विजिलेंस के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया था। इसलिए अब उनके पास बिजिलेंस के पास जाने के अलावा अन्य कोई रास्ता नहीं बचा था।

आज दोपहर वह अपनी निजी कार से विजिलेंस कार्यालय पहुंचे और अपना पक्ष विजिलेंस के सामने रखा। उनके जवाब से विजिलेंस अधिकारी और कोर्ट कितना सहमत हो पाते हैं, उन्हें कहीं से कोई राहत मिल पाती है या नहीं यह तो कल 23 जून को कोर्ट में सुनवाई के बाद ही पता चल सकेगा। लेकिन इतना तय है कि 30 जून को रिटायर होने वाले आईएएस अधिकारी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। उन पर आय से अधिक (500 करोड़) की संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। यह संपत्ति उनके पास कहां से आई अब इसका पूरा हिसाब उन्हें देना ही होगा। उनके वकील अभिनव शर्मा का कहना है कि यादव विजिलेंस जांच में सहयोग के लिए तैयार है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अभी चंद रोज पूर्व ही ईडी द्वारा उनके लखनऊ, देहरादून गाजियाबाद व फैजाबाद की सम्पत्तियों

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

## मनरेगा में काम करने गयी पांच महिलाएं मिट्टी में दबी, एक की मौत

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। मनरेगा में काम करने गयी पांच महिलाएं मिट्टी निकालते वक्त मिट्टी के टीले में दब गयी। जिन्हे ग्रामीणों ने बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां एक महिला की मौत हो गयी है।

घटना उत्तरकाशी जिले के मोरी तहसील स्थित जहां फिताड़ी गांव की है। जानकारी के अनुसार यहां मनरेगा में काम करने वाली कुछ महिलाएं मिट्टी निकालने के काम में जुटी थी। इस दौरान पांच महिलाएं मिट्टी के टीले के नीचे दब गयी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुचे और पांचों महिलाओं को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जिनके नामं सूरी पत्नी विद्ववान सिंह, कस्तूरी पत्नी ज्ञान सिंह, सुशीला पत्नी रणवीर सिंह, विपिना पत्नी रामलाल व राजेन्द्री पत्नी बहादुर सिंह बताये जा रहे है।

बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सूरी पत्नी विद्ववान सिंह की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी ले जाते समय मौत हो गयी, वहीं सूचना

के बाद एसडीआरएफ व पुलिस प्रशासन की टीमें भी मौके के लिए रवाना हो गयी हैं।

आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल के अनुसार उत्तरकाशी की तहसील मोरी के अंतर्गत ग्राम फिताड़ी में पांच महिलाएं मिट्टी खोदते समय दब गईं। मौके के लिए 108 एंबुलेंस, पुलिस और एसडीआरएफ टीम रवाना हुई। साथ ही राजस्व उपनिरीक्षक भी रवाना हो गए हैं। हालांकि इससे पहले ही ग्रामीणों ने पांचों महिलाओं को मिट्टी के ढेर से बाहर निकाला। इस दौरान एक महिला की हालत बहुत गंभीर थी। जिसे अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया है। वहीं तीन अन्य घायल महिलाओं की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हे एयरलिफ्ट द्वारा देहरादून रैफर कर दिया गया है।

## अफगानिस्तान में 6.1 तीव्रता का आया भूकंप, 280 लोगों की मौत!

नई दिल्ली । अफगानिस्तान में बुधवार सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप में २८० लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप के ये झटके पाकिस्तान में भी महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता ६.१ तक मापी गई। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के दक्षिणपूर्व में था। भूकंप की अधिकमत तीव्रता के बारे में पता नहीं चल सका है। हालांकि रिक्टर स्केल पर ७.० या उससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप को सामान्य से ज्यादा खतरनाक माना गया है। अफगानिस्तान में आया भूकंप इससे कुछ ही कम तीव्रता वाला था। पाकिस्तान की मीडिया के अनुसार, भूकंप के झटके वहां इस्लामाबाद सहित बाकी शहरों में भी महसूस हुए। सोशल मीडिया पर भूकंप की बातें हो रही हैं। लोगों ने लिखा कि भूकंप के ये झटके मात्र कुछ सेकेंड के थे। इस दौरान लोग डरकर घर के बाहर की तरफ दौड़े। इससे पहले शुक्रवार को भी इस तरह के झटके महसूस किए गए थे। इस्लामाबाद, पेशावर, रावलपिंडी मुल्तान में भी ये झटके महसूस किए गए थे। ये झटके फैसलाबाद, एबटाबाद, स्वात, बुनेर, कोहाट मलकांडी में भी महसूस हुए।

## भारत में कोरोना के एक दिन में 12249 नए मामले आये, एक्टिव केस 81 हज़ार के पार

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों में इजाफा जारी है। बीते २४ घंटे में देश में कोरोना के १२ हज़ार से ज्यादा मामले सामने आये हैं। इस दौरान ठीक होने वाले लोगों की संख्या १० हज़ार के करीब रही। इसके साथ ही नए मामलों के बाद एक्टिव केस की संख्या ८१ हज़ार का आंकड़ा पार कर गई।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते एक दिन सामने आये नए केस की संख्या १२,२४६ रही। वहीं इस दौरान कोरोना के चलते १३ नए मरीजों की मौत हो गई। बुधवार को दर्ज हुए मामले कल के मुकाबले २३.४ फीसदी ज्यादा है। कल कुल ६,६२३ नए मामले सामने आए थे। आज दर्ज हुए नए

मामले के बाद एक्टिव केस कुल संक्रमण का ०.१६ फीसदी हो गया। देश में फिलहाल रिकवरी रेट ६८.६० फीसदी दर्ज की गई है। देश में डेली पॉजिटिविटी रेट ३.६४ फीसदी पर आ गया है, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट २.६० फीसदी हो गया। पिछले २४ घंटे में जिन पांच राज्यों से सबसे अधिक नए केस सामने आए हैं, उसमें महाराष्ट्र एक बार फिर सबसे ऊपर है। महाराष्ट्र से ३६५६ नए कोरोना मामले मंगलवार को सामने आए जबकि एक मौत भी हो गई। राज्य में एक्टिव केस अभी २४६१५ हैं। वहीं केरल इस मामले में दूसरे नंबर पर रहा।

केरल से मंगलवार को २६०६ केस मिले जबकि ८ मरीजों की राज्य में कोविड से जान चली गई। यहां एक्टिव केस अभी २३,४६० है। इसके अलावा दिल्ली से १३८३ और कर्नाटक से ७३८ नए कोरोना केस मिले। दिल्ली में मंगलवार को कोरोना से एक मौत हुई। कर्नाटक में किसी मौत की खबर नहीं है। कर्नाटक के बाद तमिलनाडु है जहां से ७३७ नए केस मिले।अब तक देश में कुल ८५.८८ करोड़ सैंपल की टेस्टिंग हो चुकी है। पिछले २४ घंटों के अंदर ३,१०,६२३ सैंपल की जांच की गई है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# पतन की ओर उद्धव सरकार

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के अस्तित्व पर जो संकट के बादल दिख रहे हैं वह कोई अप्रत्याशित नहीं है। नवंबर 2019 में जब शिवसेना एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन से इस सरकार का गठन हुआ था तभी से इस सरकार के अस्तित्व पर सवालिया निशान लग रहे थे। खास बात यह है कि वर्तमान समय में शिवसेना के प्रमुख नेता और मंत्री एकनाथ शिंदे जो बगावत का झंडा लेकर निकल पड़े हैं। यह वही शिंदे हैं जिन्होंने इस सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी नाराजगी के संकेत काफी समय पहले से मिलने शुरू हो गए थे लेकिन उद्धव ठाकरे इससे बेपरवाह बने रहे। पर्याप्त संख्या बल के बाद भी शिवसेना के विधायक की क्रास वोटिंग के कारण पहले राज्यसभा चुनाव और फिर महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत के बाद ही यह सुनिश्चित हो गया था कि अब महाराष्ट्र में भी वही होने वाला है जो मध्य प्रदेश और कर्नाटक में हुआ था। इस संकट ने एक बार फिर से गठबंधन की राजनीति और अवसरवादी राजनीति की बहस को केंद्र में ला दिया है। एकनाथ शिंदे 35 विधायकों के साथ इन दिनों सफर पर हैं कल तक उनका ठिकाना गुजरात के सूरत में था और अब उनका काफिला गुवाहाटी पहुंच चुका है। उधर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस दिल्ली में केंद्रीय नेताओं के साथ अपनी सरकार गठन की तैयारी में जुटे हुए हैं। कल तक शिवसेना नेता इस बात का दावा कर रही थी कि कोई बड़ा तूफान आने वाला नहीं है सब कुछ ठीक हो जाएगा। वह नेता अब यह कहते दिख रहे हैं कि अधिक से अधिक क्या होगा शिवसेना की सत्ता चली जाएगी पार्टी की प्रतिष्ठा से बड़ा कुछ नहीं होता है। इस बात से यह साफ संकेत मिलते है कि अब शिवसेना को भी यह भरोसा हो चुका है कि वह अपनी सरकार को बचा नहीं पाएगी। एक सवाल यह भी है कि सत्ता में आने के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे अनिल देशमुख और उसके बाद नवाब मलिक को जेल जाना पड़ा वह सरकार के माथे पर एक कलंक की तरह था। जिस नैतिक और पार्टी की प्रतिष्ठा की बात आज शिवसेना के नेता कर रहे हैं उस समय वह कहां थे, उस समय क्यों वह अपने कर्तव्य बोध से बचते रहे। अब शिवसेना को जब यह स्पष्ट हो चुका है कि उनकी सरकार का बच पाना मुश्किल है तो वह विधानसभा को भंग कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कराने का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सब राज्यपाल के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में आता है अतः यह संभव नहीं है। जहां तक भाजपा की बात है जिसके पास 108 विधायक है वह पूर्ण बहुमत के सवाल पर यह कहती रही है कि विपक्ष के 35 नहीं 60 विधायक उसके साथ है। अगर यही सच है तो फिर शिवसेना की सरकार को जाने से और भाजपा को महाराष्ट्र में सरकार बनाने से भला कौन रोक सकता है। राज्यों में सत्ता की यह उल्टा पुल्टी यह भी बताती है कि केंद्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ कोई गठबंधन या मोर्चा भले ही भाजपा को केंद्रीय सत्ता से हटा दें लेकिन वह केंद्रीय सत्ता में भी अधिक समय तक टिका नहीं रह सकता है।

# सीएम धामी ने ग्राफिक एरा में 15-16वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी कांग्रेस का किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ग्राफ़िक एरा में आयोजित १५–१६वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी कांग्रेस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीक कांग्रेस एवं उत्तराखंड के बहुमूल्य उत्पादों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। बीते साल कोरोना महामारी के कारण साइंस कांग्रेस का आयोजन नहीं हो पाया था, इसलिए यूकोस्ट द्वारा १५ एवं १६वीं साइंस कांग्रेस का साझा आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि हम सब का सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि इस तरह के मंथन कार्यक्रम सिर्फ आयोजन तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसे मंथन कार्यक्रमों से निकला ज्ञान रूपी अमृत राज्य की और देश की प्रगति के लिए उन्नत तकनीक के रूप में सामने आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस कार्यक्रम से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में उनको सबसे अधिक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष आदिकाल से ही ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते ८ सालों में भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई नए कीर्तिमान हासिल किए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। जो कि हर पहलू को केंद्रित कर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिकों ने शोध और परीक्षण कर कोरोनावायरस महामारी से निपटने के लिए दो–दो स्वदेशी वैक्सीन तैयार की, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव था। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश का मान सम्मान और स्वाभिमान बढा है। हमारी कल्पना वसुदेव कुटुंबकम की है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक एवं शोधार्थियों से आवाहन करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से हम संकल्प को शक्ति बनाकर च्विकल्प रहित संकल्पज्ज् के ध्येय वाक्य के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि साल २०२५ तक उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े सभी वैज्ञानिक एवं शोधार्थियों के सुझाव आमंत्रित हैं। हम हर क्षेत्र में विशेषज्ञों के विचारों को लेकर भविष्य का रोडमैप तैयार कर रहे हैं, क्योंकि उत्तराखंड को शिखर पर ले जाने की जिम्मेदारी हम सब की सामूहिक रूप से है।

कार्यक्रम में सचिव आईटी श्रीमती सौजन्या ने साइंस कांग्रेस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा यूकोस्टके महानिदेशक डॉ राजेंद्र डोभाल ने उत्तराखंड काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं साइंस सिटी का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम में ग्राफिक एरा ग्रुप के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. कमल घनशाला ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस दौरान कर्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से जुड़े वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं छात्रा–छात्राएँ मौजूद रही।

# ग्रामीणों ने समस्याओं का निदान न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

नगर संवाददाता

मुनस्यारी। ग्राम पंचायत नामिक के ग्रामीणों द्वारा समस्याओ का निदान न होने परं शीघ्र आंदोलन व सत्याग्रह की चेतावनी दी गयी है।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा नामिक में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने खुलकर मन की भड़ास निकाली। चौपाल में ग्रामीणों ने बोला कि 24 फरवरी 1960 में पिथौरागढ़ जिले की स्थापना के समय इस गांव को अल्मोड़ा से हटाकर पिथौरागढ़ में शामिल कर दिया गया, तभी से उसके साथ सौतेला व्यवहार शुरू हो गया। ग्रामीणों ने कहा कि आजादी के 75 साल में नामिक गांव में सरकार की एक भी सुविधा नहीं पहुंच पाई। ग्राम प्रधान तुलसी जैम्याल ने कहा कि होकरा से नामिक के लिए बन रहे मोटर मार्ग के निर्माण की कछुआ चाल के कारण बीस साल बाद भी मोटर मार्ग की सुविधा उपलब्ध होना संभव नहीं लग रहा है। गोगिना से मोटर मार्ग दो भाग में बनना है एक पिथौरागढ़ तथा एक बागेश्वर जिले में। पिथौरागढ़ में तो बजट तथा निविदा दोनों स्वीकृत हो गई है। बागेश्वर जिले में फाइल पता नहीं कहां धूल खा रही है। चौपाल में ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2015 में उप स्वास्थ्य केन्द्र का बोर्ड टांकने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक देहरादून नामिक तो आएं, लेकिन सात साल बाद भी उप स्वास्थ्य केन्द्र में न एएनएम आई न ही कोई फार्मासिस्ट। राजकीय प्राथमिक विद्यालय में एक ही शिक्षक तैनात है। प्रधानाचार्य तो स्थापना काल से नौ वर्षों के भीतर एक बार भी यहां तैनात नहीं हुआ। आलू की खेती में बिमारी लगी हुई है। सेब की पेड़ दूसरे साल सूख रहे है। ग्रामीणों ने कहा कि यहां पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं है, लेकिन पैदल यात्रा के लिए भी मार्ग नहीं है। चौपाल में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि वे जिला पंचायत तथा क्षेत्र पंचायत की बैठक में इन सवालों को प्रमुखता से उठायेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया तो वे नामिक के ग्रामीणों के साथ स्वयं भी भूख हड़ताल सत्याग्रह में बैठेंगे। चौपाल में भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक बहादुर सिंह धर्मसक्तू, क्षेत्र पंचायत सदस्य दमयंती देवी,पूर्व प्रधान खुशाल सिंह, भगत राम, सरपंच प्रताप सिंह, मोहन राम, प्रवीण सिंह, लछीमा देवी, भानुली देवी सहित कई लोग मौजूद रहे।

न यातव इन्द्र जूजुवुर्नो न वन्दना शविष्ठ वेद्याभिः।
स शर्धदर्यो विषुणस्य जन्तोर्मा शिश्नदेवा अपि गुर्ऋतं नः।।

(ऋग्वेद ७–२१–५)

हे इंद्र ! दुष्ट प्रवृत्ति के व्यक्ति किसी भी प्रकार की हिंसा करके हमारे उत्तम कार्यों को बाधित ना कर सके। वे गुप्त रूप से भी आकर कोई विकार ना कर सके, उनकी वास्तविकता हमें ज्ञात हो जाए। ऐसे दुष्ट व्यक्ति हमारे आचरण और सत्यपरायणता को किसी भी तरह से भंग ना कर सके।

O Indra ! People of wicked tendencies should not be able to obstruct our good works with any kind of violence. They should not be able to harm us, even in disguise, their re-alty be exposed to us. Such evil people should not be able to vitiate our conduct and rectitude in any manner.

(Rig Veda 7-21-5)

# खटीमा में पावर हाउस निर्माण कराए जाने की मांग

रुद्रपुर (आरएनएस)। खटीमा में विद्युत कटौती से परेशान किसानों, आम नागरिकों, व्यापारियों की समस्या को देखते हुए विधायक नानकमत्ता गोपाल सिंह राणा ने नगरा तराई में आधुनिक तकनीक से पावर हाउस निर्माण कराए जाने की मांग की। विधायक राणा ने कहा कि नगरा तराई जो कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का गांव है। इस जगह टेलफाल में पावर हाउस बनाया जा सकता है। इससे खटीमा ही नहीं आसपास के क्षेत्र में बिजली की समस्या से निजात मिल सकेगी। नानकमत्ता विधायक राणा ने कहा कि खटीमा में बिजली कटौती से किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही छोटे–छोटे उद्योग और व्यवसाय करने वाले व्यापारियों का काम चौपट हो गया है। खटीमा में विद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। लोहियाहेड पावर हाउस की क्षमता पुरानी तकनीक होने के कारण बेहद कम है। अगर टेलफाल में जहां पर पानी ऊंचाई से गिरता है। यहां पर पॉवर हाउस का निर्माण किया जाए तो खटीमा और आसपास के क्षेत्र में बिजली की कमी को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा राणा ने नगर पालिका में कर्मचारियों की कमी और सहकारी समितियों में खाद की कमी का मामला उठाया। राणा ने कहा कि नगर पालिका में 2011 की आबादी के हिसाब से कर्मचारी हैं। आज जरुरत 200 पर्यावरण मित्रों की है, लेकिन नगर पालिका में 117 पर्यावरण मित्र ही काम कर रहे हैं। विधायक राणा ने कहा कि पावर हाउस से खटीमा के विकास को नई गति मिलेगी।

# दुकान का रोशनदान तोड़कर हजारों की नगदी उडायी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का रोशनदान को तोडकर वहां से हजारों की नगदी व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन निवासी अभिनव आहलूवालिया ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनका किवी किसान विण्डो के नाम से स्टोर है। गत दिवस वह स्टोर बन्द करके गये थे। आज जब उन्होंने स्टोर खोला तो देखा कि अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था तथा वाशरूम के रोशनदान का शीशा टूटा हुआ था। चोरो ने कैश काउंटर से 18 हजार रूपये नगद व तीन हजार रूपये का सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# कार्यक्रमों की पूर्व सूचना ग्राम स्तर तक पहुंचाएं अधिकारी : किशोर

नई टिहरी (आरएनएस)। ब्लॉक सभागार चंबा में आयोजित तहसील दिवस में मात्र 10 शिकायतें दर्ज की गयी। तहसील दिवस में पहुंचे टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने अधिकारियों को इस प्रकार के कार्यक्रमों की पूर्व सूचना ग्राम सभा स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीण अपनी संबंधित शिकायतों को दर्ज करा कर समाधान पा सके। मंगलवार को ब्लॉक सभागार चंबा में आयोजित तहसील दिवस में 10 शिकायते दर्ज की गयीं। एसडीएम टिहरी अपूर्वा ने दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। क्षेपंस पंकज बरवाण एवं सुपखपाल सिंह जड़धारी ने नागणी-जड़धार गांव मोटर की प्रारंभिक आधा किमी सड़क की खस्ताहाल स्थिति की शिकायत दर्ज कराई। सभासद शक्ति जोशी ने एनएच की ओर से सड़क किनारे नालियों की सफाई एवं निर्माण नहीं किए जाने,

दिखोल गांव से गुल्डी गांव तक नालियों के क्षतिग्रस्त होने, नालियों में बिछी पाइप लाइन को नहीं हटाये जाने का मुद्दा उठाया। ग्रामसभा छाती निवासी गोपाल सिंह रावत ने सड़क निर्माण में कटे खेतों का मुआवजा दिए जाने, गुड्डी देवी ने ऑलवेदर रोड़ निर्माण के तहत भूमि मुआवजा देने, जयेंद्र सिह सजवाण ने पुस्ता निर्माण का भुगतान करने, ढरसाल गांव क्षेपंस रजनी भट्ट ने जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख शिवानी बिष्ट, बीडीओ देवकीनंदन बडोला, प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुधीर बहुगुणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील बहुगुणा, रघुवीर रावत, दर्मियान सिंह सजवाण, विक्रम तोपवाल, जयपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

# डीएम ने की स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों संग बैठक

चमोली (आरएनएस)। सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। यह निर्देश डीएम हिमांशु खुराना ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में दिए। मंगलवार को हुई बैठक में डीएम ने कहा कि आने वाले समय में बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क सड़क सुविधा से कट जाता है। इससे गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को इन समस्याओं से बचाया जा सके इसके लिए स्वास्थ्य विभाग तैयारियां शुरू कर दे। इसके अलावा डीएम ने मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि खून की कमी या वजन कम होने से हाई रिस्क कटैगरी वाली गर्भवती महिलाओं को उचित मेडिसिन उपलब्ध कराएं। आशा एवं एएनएम के माध्यम से अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। जिससे प्रसव के समय किसी भी महिला की मृत्यु न हो। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमा रावत ने बताया कि जिले में अभी 992 गर्भवती महिलाएं हैं, जिनमें से 45 को हाई रिस्क कटैगरी में चिन्हित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें जरूरी दवाइयां उपलब्ध राई जा रही हैं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी कुडियाल, डीडीओ सुमन राणा, डीपीआरओ राजेन्द्र सिंह गुंजियाल आदि मौजूद रहे।

# शराब के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने काठबंगला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 54 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील राय पुत्र गौरी शंकर निवासी काठबंगला भाग-2 बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# लोनिवि मंत्री के विधानसभा क्षेत्र संदणिया गांव में नहीं बन पाई सड़क

पौड़ी (आरएनएस)। द्वारीखाल ब्लाक के संदणिया गांव के ग्रामीण आज भी सड़क सुविधा से वंचित है। गांव में सड़क सुविधा नहीं होने से गांव से लगातार पलायन हो रहा है। लोग पांच किमी पैदल चलने को मजबूर हैं। यह हालात तब हैं जब विधानसभा के विधायक स्वयं ही लोक निर्माण विभाग मंत्री हैं। राज्य आंदोलनकारी विक्रम सिंह रावत का कहना है कि राज्य गठन के बीस 20 साल बाद भी गांव को सड़क सुविधा नहीं मिल पाई है। बताया कि साल 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ग्रामीणों को मायूस होना पड़ा। बताया कि क्षेत्रीय विधायक एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज को भी गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की के लिए ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बताया कि सड़क सुविधा नहीं होने से गांव से लगातार पलायन हो रहा है। विक्रम सिंह रावत का कहना है कि इस बार उन्हें उम्मीद है कि लोनिवि मंत्री स्थानीय विधायक सतपाल महाराज उनक वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेंगे।

# पुलिस सत्यापन अभियान का कड़वा सच, मुसेवाला का हत्यारा भी रुका था दून में

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में आये दिन चलाया जाने वाला पुलिस सत्यापन अभियान कितनी गम्भीरता से चलाया जाता है इसका पता इस बात से चलता है कि जब किसी भी राज्य का बदमाश पकड़े जाने पर खुलासा करता है कि वह दून में भी रहा था। ऐसा ही एक बार फिर सामने आया है जब सिद्धू मुसेवाला प्रकरण में दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा बदमाश प्रियव्रत फौजी हत्या से पहले अपने साथियों सहित दून में कई माह तक रूका था।

हरियाणा का कुख्यात बदमाश प्रियव्रत फौजी ऐसा पहला बदमाश नहीं है जिसने राजधानी दून में शरण ली हो, इससे पहले यूपी, दिल्ली, पंजाब, बिहार सहित कश्मीर के आंतकवादियों के भी देहरादून से तार जुड़ चुके है। जिनके बारे में बाद में पता चला था कि वह देहरादून में रह रहे थे। ऐसे में सवाल

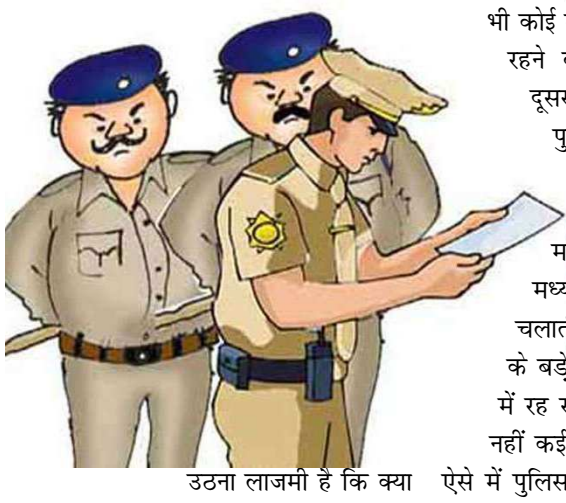

उठना लाजमी है कि क्या दून पुलिस का सत्यापन अभियान सिर्फ कागजों में ही है, जमीन पर नहीं?

सत्यापन अभियान के दौरान जिन मकान मालिकों ने अपने किरायेदारों का सत्यापन न करवाया हो पुलिस उनके चालान काट कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है उन्हे इस बात से भी कोई मतलब नहीं होता कि वहां रहने वाला व्यक्ति कौन है। दूसरा अहम कारण यह है कि पुलिस जब भी अपने क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाती है तो वह सिर्फ मलिन बस्तियों या फिर मध्यम वर्गीय कालोनियों में ही चलाती है जबकि बाहरी राज्यों के बड़े बदमाश पाश कालोनियों में रह रहे होते है। ऐसा एक बार नहीं कई बार साबित हो चुका है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को चाहिए कि शहर के सभी स्थानों में सत्यापन अभियान चलाया जाये ताकि यहां रह रहे अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का भी पता चल सके।

# स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय मे पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान कुंजा ग्रांट के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई।

पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 10 ग्राम स्मैक बरामद कर ली।

पूछताछ में उसने अपना नाम सोनम पत्नी कादिर निवासी खुशहाल पुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# फोरलेन निर्माण की धीमी गति पर कार्यदायी संस्था को नोटिस

रुद्रपुर (आरएनएस)। रामपुर से रुद्रपुर और रुद्रपुर से काठगोदाम फोरलेन निर्माण कार्य की धीमी गति होने पर एनएचएआई ने कार्यदायी संस्था को नोटिस थमा दिया है। दो माह के भीतर अगर निर्माण कार्य में तेजी नहीं आयी तो कार्यदायी संस्था का एनएचएआई से अनुबंध खत्म हो सकता है। वहीं कार्यदायी संस्था से अनुबंध खत्म हुआ था फोरलेन निर्माण और देरी हो सकती है।

दरअसल, रामपुर से रुद्रपुर तक 43 किलोमीटर फोरलेन का निर्माण कोरोनाकाल से पूर्व शुरू हुआ था। शुरूआत में कार्यदायी संस्था ने 31 किलोमीटर फोरलेन काम पूर्ण कर लिया था। इसके बाद बजट की कमी के चलते इस काम को बीच में ही रोक दिया गया। इसके बाद कोरोना काल में यह कार्य पूरी तरीके से ठप हो गया था। पहले जून 2021 में इस कार्य को पूर्ण होना था, लेकिन बाद में इसकी समय सीमा दिसंबर 2022 कर दी गयी। वर्तमान में संस्था इस फोरलेन का 37 किलोमीटर तक काम पूरा कर चुकी है, शेष 6 किलोमीटर के काम में ढिलाई बरती जा रही है।

इसी तरह रुद्रपुर से काठगोदाम तक 49 किलोमीटर का काम होना था। शुरुआत में यहां भी 25 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका था, लेकिन बजट के अभाव में इस काम को भी रोक दिया गया था। इस काम को पहले अगस्त 2021 में पूरा होना था, लेकिन बजट के अभाव में कार्यदायी संस्था ने काम शुरू नहीं किया। बाद में जिला प्रशासन के दबाव व एनएचएआई अधिकारियों के दबाव के बाद संस्था ने काम को शुरू कर दिया। संस्था को करीब 75 फीसदी फोरलेन का काम मार्च 2022 तक पूर्ण करना था, जबकि शेष 25 फीसदी काम जून माह के अंत तक पूर्ण करना था। इस बीच कार्यदायी संस्था तय समय पर मात्र 33 किलोमीटर ही सड़क का कार्य पूरा कर पायी है। निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर एनएचएआई ने कार्यदायी संस्था को नोटिस थमा दिया है।

# तहसील दिवस में बेरीनाग में 10 दिनों से पानी नहीं आने की उठी समस्या

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग । तहसील कार्यालय में एसडीएम एके शुक्ला की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं के द्वारा बेरीनाग क्षेत्र में पिछले १० दिनों पानी नही आने से आ रही समस्या को उठाया और महिने में १०दिन ही पानी मिलने और बिल पूरे माह लेने की समस्या रखी। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद धारियाल और राजेन्द्र कठायत नगर क्षेत्र में खस्ताहाल सडक और बेरीनाग खितोली मोटर मार्ग खस्ताहाल होने सहित विभिन्न समस्याओं को रखा। कांडे किरौली आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पिछले एक माह से डाक्टर नही होने की समस्या भी उठी।पूर्व प्रधान महेश पंत ने सीएम धोषणा के बाद भी बेरीनाग में उप निबधक कार्यालय नही खोलने और नगर के विभिन्न सडकों पर अतिक्रमण

होने से हो रही समस्या को उठाया और कूड़ा निस्तारण की ठोस कार्रवाई करने की समस्या को रखा।नगर पंचायत के कूडा निस्तारण ठोस कार्रवाई करने की समस्या रखी।

एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला ने तहसील दिवस में उठी विभिन्न समस्याओं पर संबधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई करने के आदेश दिए ओर कहा की तहसील दिवस में उठनी वाली समस्याओं पर कार्रवाई नही होने पर विभागों की जिम्मेदारी तय करने की बात कही।

इस मौके पर तहसीलदार केएस नयाल,खंड शिक्षा अधिकारी तरुण पंत, वन क्षेत्राधिकारी चंदा महरा, प्रभारी चिकित्साधिकारी डां सिद्धार्थ पाटनी, थानाध्यक्ष हेम चन्द्र तिवारी, संजय वर्मा, महेश रौतेला, विमल दुर्गापाल, प्रकाश बाफिला, योगेश कार्की, भरत, दीवान सिंह मेहरा, नीता बाफिला, कमला,रेखा सहित आदि मौजूद थे।

# मोदी के आठ साल

वेद प्रताप वैदिक

पिछले 75 साल में भारत में 14 प्रधानमंत्री हुए। उनमें से पांच कांग्रेसी थे और 9 गैर-कांग्रेसी हुए। इन गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों में यदि सबसे लंबा कार्यकाल किसी प्रधानमंत्री को अभी तक मिला है तो वह नरेंद्र मोदी को ही मिला है। उन्होंने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं और अपनी शेष अवधि पूरी करने में भी उन्हें कोई आशंका नहीं है। यह भी असंभव नहीं कि वे लगातार तीसरी अवधि भी पूरी कर डालें। यदि ऐसा हुआ तो जवाहरलाल नेहरु के बाद वे ऐसे पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे, जो लगातार सर्वाधिक अवधि वाले प्रधानमंत्री कहलाएंगे।

भारतीय लोकतंत्र के विपक्ष की यह बड़ी उपलब्धि होगी। हमारे कई पड़ौसी देशों में भी इतने लंबे समय तक राज करने वाले नेता नहीं हुए हैं। लेकिन मूल प्रश्न या सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि आप कितने साल तक गद्दी पर बैठे रहे? उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि आपने अपने राष्ट्रोत्थान के लिए बुनियादी काम किए या नहीं? आपने क्या ऐसे काम भी किए हैं, जिन्हें इतिहास याद रखेगा?

इंदिरा गांधी ने आपात्काल लगाने की भयंकर भूल की लेकिन उन्हें याद किया जाएगा- परमाणु-परीक्षण, सिक्किम के विलय, पंजाब पर नियंत्रण और सबसे ज्यादा बांग्लादेश के निर्माण के लिए! उनके 'गरीबी हटाओ' का नारा सिर्फ चुनाव जीतने का हथकंडा बनकर रह गया लेकिन उनकी कार्यप्रणाली कुछ ऐसी रही कि भारत के लगभग सारे राजनीतिक दल उनकी देखादेखी प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों में बदल गए हैं। अब क्या नरेंद्र मोदी इस ढर्रे को बदल पाएंगे या और अधिक मजबूत करके छोड़ जाएंगे? इस ढर्रे पर चलकर पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र की बलि तो चढ़ती ही है, राष्ट्रीय लोकतंत्र के लिए भी खतरा पैदा हो जाता है।

इसी तरह भारत की आर्थिक प्रगति भी सभी प्रधानमंत्रियों के काल में लंगड़ाती रही है। जो चीन अब से 50 साल पहले हमसे पीछे था, उसकी आर्थिक शक्ति हम से 5 गुना ज्यादा हो गई है। कहां वह और कहां हम? विश्व गुरु गुड़ चूस रहा है और चेला शक्कर के मजे ले रहा है। पिछले आठ साल में मोदी सरकार ने आम आदमियों को राहत देने के अदभुत और अपूर्व काम किए हैं। उन सबको यहां गिनाना संभव नहीं है लेकिन ये तो तात्कालिक सुविधाएं हैं। धारा-370 और तीन तलाक को खत्म करना तो सराहनीय है लेकिन देश में एक समान आचार संहिता का निर्माण, जातिवाद का उन्मूलन और अंग्रेजी के वर्चस्व को घटाना, यह भी उतना ही जरुरी है। असली प्रश्न यह है कि शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के मामले में क्या कोई बुनियादी काम पिछले आठ साल में हुआ है? नौकरशाहों के दम पर आप राहत की राजनीति तो कर सकते हैं लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तनों के लिए आपके पास अपनी मौलिक दृष्टि भी होनी चाहिए या दृष्टिसंपन्न लोगों के साथ नम्रतापूर्वक संवाद करने की कला भी आपके पास होनी चाहिए। विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत कई नए बुनियादी कदम उठा सकता था, लेकिन न तो अभी तक वह पड़ौसी राष्ट्रों के संघ-दक्षेस- को ठप्प होने से रोक सका और न ही उसके पास कोई ऐसी विराट दृष्टि दिख रही है, जिसके चलते वह पुराने आयावर्त्त के डेढ़ दर्जन राष्ट्रों का कोई संघ खड़ा कर सके।

# अन्य द अदर बनेगी बॉलीवुड की ट्रेंड सेटर

हाल के वर्षों में बॉलीवुड फिल्में यह साबित करती हैं कि सिनेमा केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि सूचना, जागरुकता और सामाजिक परिवर्तन के लिए भी है। ऐसी कई फिल्में हैं जो वेश्यावृत्ति के काले पक्ष पर प्रकाश डालती हैं। बॉलीवुड उद्योग अन्य द अदर फिल्म के साथ एक ट्रेंड सेटर बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मानव तस्करी जैसे संवेदनशील पहलुओं को छूती है। खास बात यह है कि यह फिल्म में छिपे हुए कैमरे की फुटेज हैं। डॉ. सिमी जोसेफ अन्य द अदर के लेखक और डायरेक्टर हैं। इसका निर्देशन इनिशिएटिव फिल्म्स और कैपिटलवुड्स पिक्चर्स ने किया है जबकि सह निर्माता सानिल वैप्पन, साजी मुलक्कल और सुबोध भारद्वाज हैं। नायक के रूप में अतुल कुलकर्णी दिखेंगे जबकि राइमा सेन ने इस फिल्म से मराठी सिनेमा में अपना डेब्यू किया है। मूवी में प्रथमेश परब भी दिखेंगे।

निर्देशक डॉ. सिमी जोसेफ ने कहा, दुनिया में एक गलत धारणा है कि भारतीय सिनेमा मसाला फिल्मों और घटिया आइटम नंबरों के बारे में है। यह तथ्य हकीकत से कोसों दूर है। दरअसल, हिंदी फिल्म उद्योग नियमित रूप से असाधारण फिल्मों का निर्माण करता है जो मानव तस्करी और वेश्यावृत्ति जैसे कई प्रचलित सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालती हैं। हम यहां दर्शकों को समाज की सच्चाई से रूबरू कराने के लिए हैं। मूवी ने कई समारोहों में पुरस्कार और प्रविष्टियां जीती हैं, जिनमें टोरंटो इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में एंट्री, सर्वश्रेष्ठ फिल्म: अल्वसबिन फिल्म समारोह स्वीडन, सर्वश्रेष्ठ चित्र- भारत अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक फिल्म समारोह पुणे और कई अन्य शामिल हैं। प्रथमेश परब को आखिरी बार बॉलीवुड की हिट फिल्म दृश्यम में देखा गया था, वह अब एक मुख्य किरदार के रूप में नजर आएंगे। (आरएनएस)


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन


# नारियल के तेल से बनाएं लिपबाम!

रूखेपन के कारण होंठ फटते हैं और अगर वक्त रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो कई बार होंठ इतने फट जाते हैं कि उनसे खून तक निकलने लगता है। नारियल का तेल एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है, जो होंठो के रूखेपन को दूर करके इन्हें फटने से बचा सकता है। आइए आज हम आपको नारियल के तेल से तरह-तरह के लिपबाम बनाने के तरीके बताते हैं, जिनके इस्तेमाल से आप अपने होंठो को रूखेपन से बचा सकते हैं।

नारियल के तेल और पेट्रोलियम जेली का लिपबाम

सामग्री: एक चम्मच नारियल का तेल और एक चम्मच पेट्रोलियम जेली। लिपबाम बनाने का तरीका: सबसे पहले पेट्रोलियम जेली को एक छोटे पैन में गर्म करें या फिर माइक्रोवेव में रखकर पिघलाएं, फिर इसे नारियल के तेल के साथ मिलाएं। अब एक छोटे कंटेनर में इस मिश्रण को डालें और जब यह कमरे के तापमान पर ठंडा हो जाए तो इसे 20-30 मिनट के लिए फ्रीज में रखें। इसके बाद मिश्रण का बतौर लिपबाम इस्तेमाल करें।

नारियल के तेल और एलोवेरा का लिपबाम

सामग्री: एक बड़ी चम्मच नारियल का तेल, आधी बड़ी चम्मच कारनौबा वैक्स और एक चम्मच एलोवेरा जेल। लिपबाम बनाने का तरीका: सबसे पहले धीमी आंच पर एक पैन रखकर उसमें कारनौबा वैक्स पिघलाएं, फिर गैस बंद करके इसे कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। इसके बाद इसमें एलोवेरा जेल और नारियल का तेल मिलाएं और इसे कुछ मिनट के लिए फ्रिज में रखने के बाद इस्तेमाल करें।

शिया बटर और नारियल के तेल का लिपबाम

सामग्री: एक बड़ी चम्मच नारियल का तेल, एक बड़ी चम्मच कारनौबा वैक्स और एक बड़ी चम्मच शिया बटर। लिपबाम बनाने का तरीका: सबसे पहले धीमी आंच पर एक पैन रखकर उसमें शिया बटर और कारनौबा वैक्स को पिघलाएं। जब यह मिश्रण पिघल जाए तो गैस बंद करके इसे एक कंटेनर में डालकर कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे फ्रिज में रखने के बाद बतौर लिपबाम इस्तेमाल करें।

लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और नारियल का तेल

सामग्री: डेढ़ चम्मच नारियल का तेल, एक बड़ी चम्मच कारनौबा वैक्स और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की 10 बूंदें। लिपबाम बनाने का तरीका: सबसे पहले धीमी आंच पर एक पैन रखकर उसमें कारनौबा वैक्स पिघलाएं, फिर गैस बंद करके इसे कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे एक छोटे कंटेनर में नारियल के तेल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल के साथ मिलाकर कुछ मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। फिर इसका होंठो पर इस्तेमाल करें। (आरएनएस)

# दीपिका सिंह फ़िल्म टीटू अंबानी से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

दिया और बाती फेम ऐक्ट्रेस दीपिका सिंह अपनी पहली फ़िल्म टीटू अंबानी के साथ बड़े पर्दे पर नज़र आयेंगी। एक संस्कारी बहु और एक स्ट्रॉंग वूमेन की इमेज वाली दीपिका अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। छोटे पर्दे पर दीपिका सिंह एक स्ट्रोंग वुमेन के कैरेक्टर में नज़र आयी हैं अब अपनी पहली फ़िल्म टीटू अंबानी में भी दीपिका मौसमी के किरदार में नज़र आएंगी जो आज की लड़बेदाग़-की हैं जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीती हैं। मौसमी को ऐसा लगता है कि टीटू और वह एक-दूसरे के लिए ही बने हैं लेकिन मुश्किल तब पैदा होती है जब टीटू के फैसलों से उनके बीच प्यार के रिश्ते पर खतरा पैदा हो जाता है।

दीपिका सिंह फ़िल्म में अपने किरदार के बारे में बताती हैं मौसमी का किरदार मेरे दिल के बहुत क़रीब हैं यह एक ऐसी लड़की हैं जिसने अपने लाइफ़ के कुछ रूल्स बनाए हैं और वह अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं कर सकती। यह एक स्लाइस ऑफ़ लाइफ फ़िल्म हैं मिडिल क्लास फैमिली की यह एक सिंपल सी प्रेम कहानी लाइफ के बड़े संदेश को बहुत ही एंटरटेनिंग तरीके से कहती हैं। फ़िल्म में अन्य प्रमुख भूमिकाओं में रघुबीर यादव , सपना सैंड , वीरेंद्र सक्सेना,समता सागर, और बृजेंद्र काला नज़र आएँगे।सबल प्रॉडक्शन्स के बैनर तले निर्मित फ़िल्म टीटू अंबानी निर्देशक रोहित गोयल , निर्माता महेंद्र विजयदान देथा और दिनेश कुमार हैं। फ़िल्म 8 जुलाई को सिनेमागृह में रिलीज़ हो रही हैं

## शब्द सामर्थ्य -70

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

**ऊपर से नीचे**

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

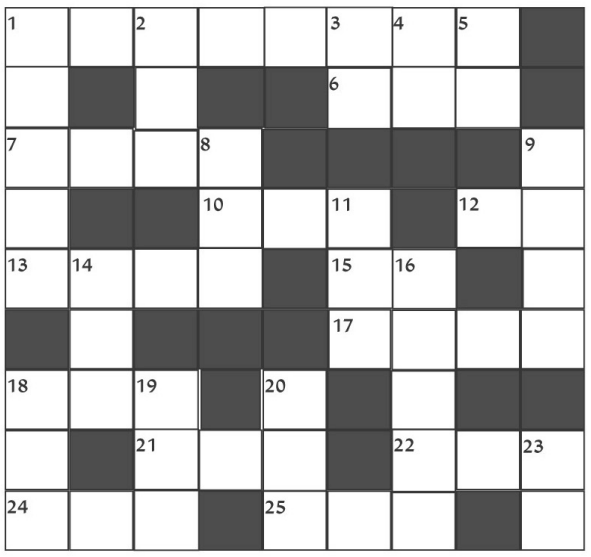

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | म | ला | ■ | सि | वा | य | ■ | कि |
| लि | ■ | चा | ह | त | ■ | म | म | ता |
| क | सू | र | ■ | म | ग | न | ■ | ब |
| ■ | र | ■ | ■ | ■ | द | ■ | ■ | ■ |
| क | मा | न | ■ | पा | र | स | ■ | स |
| मी | ■ | म | जा | ल | ■ | न | क | ली |
| ना | दा | न | ■ | ना | र | द | ■ | का |
| ■ | मि | ■ | ■ | ■ | तौं | ■ | ■ | ■ |
| सु | नी | ल | ■ | अ | धी | र | ■ | जी |

# अल्लू अर्जुन ने अदिवी शेष की मेजर को किया सलाम

टॉलीवुड स्टार अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए अदिवी शेष और उनकी मेजर टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई दी। मेजर को अच्छी समीक्षा मिली है, जिससे यह हाल ही में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में से एक बन गई है। अल्लू अर्जुन ने ट्वीट में लिखा है, मेजर फिल्म की पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मैन ऑफ द शो अदिवी शेष ने एक बार फिर अपना जादू बिखेरा है। निर्देशक शशि टिक्का का बेहतरीन काम दिख रहा है। खूबसूरती से गढ़ी गई है। दर्शकों को ऐसा हृदयस्पर्शी अनुभव देने के लिए महेश बाबू को बहुत-बहुत बधाई और मेरा व्यक्तिगत सम्मान। मेजर : एक कहानी जो हर भारतीय के दिल को छू गई है।

अदिवी शेष लोगों से मिलने वाले सभी के प्यार से अभिभूत हैं और फिल्म ने अपने शुरुआती दिन में दुनियाभर में 13 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अल्लू अर्जुन के ट्वीट का जवाब देते हुए शेष ने कहा, बिग मैन! आप सभी के प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। क्षनम से लेकर मेजर तक आपका समर्थन, अनुग्रह और दया अविश्वसनीय है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मायने रखता है। आपने पुष्पा को मेरे जन्मदिन (दिसंबर 17) पर उपहार दिया और अब आपने मेजर की सफलता को और भी मधुर बना दिया है। आदिवासी ने न केवल दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से आकर्षित किया, बल्कि उनके पास अल्लू अर्जुन जैसे उद्योग के दिग्गज भी थे, जिन्होंने मेजर में उनके शक्तिशाली और संवेदनशील प्रदर्शन की प्रशंसा की। मेजर वह फिल्म है, जो 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में शहीद होने से पहले मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की प्रेरणादायक यात्रा और उनकी बहादुरी की कहानी पेश करती है।

# रे डोनोवन के रीमेक राणा नायडू का हिस्सा बनीं प्रिया बनर्जी

लोकप्रिय अभिनेत्री प्रिया बनर्जी को वेब सीरीज राणा नायडू में एक प्रमुख भूमिका मिली है, जो प्रसिद्ध हॉलीवुड शो रे डोनोवन की हिंदी रीमेक है। प्रिया हैलो मिनी, ट्विस्टेड 3, जमाई 2.० और बेकाबू जैसी परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं। उसी के बारे में बात करते हुए, प्रिया ने कहा, हॉलीवुड संस्करण में केटी होम्स द्वारा निभाए गए चरित्र के लिए सुपरन वर्मा वास्तव में मुझसे संपर्क में थे। मैंने इसके लिए ऑडिशन दिया था और तुरंत बंद कर दिया गया था। पेशेवर मोर्चे पर, प्रिया निखिल आडवाणी की एम्मे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित प्राइम वीडियो सीरीज अधुरा के मुख्य कलाकारों का हिस्सा होंगी। सीरीज का निर्देशन गौरव के चावला ने किया है। सीरीज में मुख्य भूमिका में इश्वाक सिंह और रसिका दुग्गल हैं।(आरएनएस)

# सुंदर सी की फिल्म कॉफी विद काधल के कास्ट का पोस्टर जारी

निर्देशक सुंदर सी की आगामी फिल्म में जीवा और जय मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का शीर्षक कॉफी विद काधल रखा गया है। यह जानकारी फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को दी। टीम ने फिल्म की पूरी कास्ट का एक पोस्टर भी जारी किया। एंकर और अभिनेत्री दिव्या दर्शिनी, जिन्हें डीडी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ट्वीट करते हुए बताया, सुंदर सी की फिल्म में काम करने का अनुभव अच्छा रहा, फिल्म में काम करने का मतलब कॉमेडी, मजेदार और मनोरंजन में शामिल होना है। कॉफी विद काधल यह एक शानदार फिल्म है, जिसे दर्शक खूब पसंद करेंगे। फिल्म को ऊटी में शूट किया गया है। फिल्म पारिवारिक ड्रामा, भाइयों और बहनों का खेल, भ्रम और कॉमेडी से भरपूर है।

# उर्वशी राय ग्रे में एक पत्रकार की भूमिका में आएंगी नजर

पंजाबी म्यूजिक वीडियो पायल से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस उर्वशी राय अपनी तेलुगु फिल्म ग्रे के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ट्रेलर पहले ही जारी किया जा चुका है, और फिल्म रोमांस, दर्द और स्पाई प्रेम के इर्द गिर्द बुनी हई है। यह एक स्पाई थ्रिलर है जो दर्शकों को रोलर कोस्टर राइड पर ले जाएगी। उर्वशी अरुशी शर्मा का किरदार निभाती नजर आएंगी, जो पेशे से पत्रकार हैं और एक प्रमुख समाचार चैनल के लिए काम करती हैं। वह कहती है कि यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि यह मेरा पहला बड़ा ब्रेक है। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो यह मुझे अच्छी लगी। यह एक सामान्य पारिवारिक फिल्म की तरह नहीं है और मुझे यकीन है कि फिल्म से कई लोग जुड़ाव महसूस करेंगे। अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, वह आगे कहती है कि अरुशी का जन्म दिल्ली में हुआ है, और उसका पालन-पोषण हैदराबाद में हुआ। वह बहुत ही आकर्षक, तेज दिमाग वाली और एक स्व-निर्मित लड़की है। वह जब भी बहुत खुश या उदास होती है, तो सैक्सोफोन बजाना पसंद करती है। अपने चरित्र के माध्यम से, वह बहुत कुछ बताती है। फिल्म में उन सभी महिलाओं के लिए कड़ा संदेश जो अपने लुक और व्यक्तित्व के लिए काफी कुछ सुनती हैं।(आरएनएस)

# फिल्म सौकन सौंकने की सफलता के राज का सरगुन मेहता ने किया खुलासा

अभिनेत्री सरगुन मेहता के लिए काफी अच्छा वक्त चल रहा है, काफी खुश है अभिनेत्री। दरअसल फिल्म सौकन सौंकने जिसको खुद अभिनेत्री ने निर्मित किया है और उसमें मुख्य भूमिका में नजर आई हैं। इस फिल्म ने बॉक्स, फैंस इस फिल्म को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री का कहना है कि, मेरी पहली प्रतिक्रिया खुशी से उछलने की थी। मैं पिछले तीन वर्षों से फिल्म पर काम कर रही हूं। जब से मैंने कहानी सुनी, मैं इस फिल्म के लिए लेखक के पीछे थी। फिर मैंने इसे एक निर्माता के रूप में लिया, आज फिल्म कमाल कर रही है। मुझे अच्छा लगता है कि लोग फिल्म को पसंद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि दर्शकों में आपका विश्वास बनाने में लंबा समय लगता है।

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने अपनी फीचर फिल्म की शुरूआत 2015 की पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी अंगरेज से की और लव पंजाब और लाहौरिए सहित अन्य पंजाबी फिल्मों में भी दिखाई दी है।

एक्टिंग और प्रोडक्शन दोनों को सरगुन मेहता का कहना है, दोनों कार्यक्षेत्रों को प्रबंधित करना मुश्किल है। यह बहुत कठिन था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और काम किया। मुझे कभी कभी लगा कि मैं हार गई हूं पर फिर मैने खुद को हारने नहीं दिया और हर दिन काम किया। यह टेलीविजन की तरह नहीं है जैसे आपने अपनी भूमिका निभाई है, यह हर दिन का काम है।

वास्तव में, इस फिल्म के साथ, मैं था दो साल तक जोर दिया। इसके अलावा, कोविड -19 महामारी के दौरान शूटिंग ने इस परियोजना को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया।

# श्रद्धा त्रिपाठी टीवी शो अपनापन बदलते रिश्तों का बंधन से करेंगी डेब्यू

श्रद्धा त्रिपाठी टीवी शो अपनापन बदलते रिश्तों का बंधन से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस नए शो में सीजेन खान और राजश्री ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं।

इस शो को लेकर श्रद्धा कहती हैं, जब मुझे पहली बार बरखा की भूमिका की पेशकश की गई थी, तब मैं क्लाउड 9 पर थी क्योंकि मैंने हमेशा एक कलाकार बनने का सपना देखा है। अपनापन मेरा पहला टीवी शो है, मैं धन्य हूं कि मैं सोनी टीवी जैसे द पावरहाउस के साथ अपनी शुरूआत कर रही हूं। इसमें सबसे खास बात ये है कि मैं टीवी जगत के ऐसे महान सितारों, राजश्री ठाकुर और सेजैन खान के साथ काम करने जा रही हूं जिनका काम देखकर मैं बड़ी हुई हूं।

आपको बता दे यह शो अपनापन बदलते रिश्तों का बंधन एक अलग रह रहे जोड़े पल्लवी और निखिल की कहानी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो सिंगल पेरेंट्स भी हैं।

आगे श्रद्धा कहती हैं, मैं उन चीजों के बारे में रोमांचित हूं जो मैं उनसे सीख पाऊंगी, इस इंडस्ट्री में नई होने के नाते। मैं थिएटर, भरतनाट्यम जैसे नृत्य रूपों और कला के अन्य समकालीन रूपों से अच्छी तरह से वाकिफ हूं, इसलिए मैं निश्चित रूप से अपनी बात रखूंगी मेरे चरित्र में भी कौशल है। मेरा चरित्र बरखा एक विचारवान लड़की है, बहुत कुछ मेरी तरह।

अभिनेत्री ने अपने चरित्र के बारे में बताते हुए कहा, वह एक किशोरी है, जो अपनी मां के सुरक्षात्मक आश्रय से दूर आजादी की लालसा रखती है। कई बार वह अपनी मां पल्लवी के साथ लड़ाई झगड़े भी करती है।

बरखा जानती है कि पल्लवी को उसके साथ कैसे सहमत किया जाए और उसकी मांगों को स्वीकार किया जाए। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को मेरे प्रदर्शन का आनंद मिलेगा क्योंकि मैं निश्चित रूप से शो में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं!

शो अपनापन.. बदलते रिश्तों का बंधन जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।(आरएनएस)

# लंबे समय बाद टीवी पर एंट्री करने जा रही है हिना खान

टीवी जगत की मशहूर अदाकारा हिना खान कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 में अपने हुस्न का जलवा बिखेरने के बाद अब छोटे पर्दे पर एंट्री करने जा रही है। वही दर्शक भी उन्हें वपा देखने को बेताब है, ऐसे में अब जो खबर सामने आई है उससे दर्शक बहुत खुश हैं। बताया जा रहा है कि अब हिना खान जल्द ही मीका सिंह के शो में नजर आएंगी। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 से आने के बाद हिना खान को एक नया टास्क प्राप्त हुआ है। हिना खान अब मीका सिंह के लिए उनके शो मीका दी वोटी में जीवनसाथी तलाशने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि जल्द ही हिना खान को मीका सिंह के शो मीका दी वोटी में देखा जाएगा। इस टेलीविज़न शो में हिना खान बतौर मेहमान एंट्री करने वाली हैं। शो में हिना खान मीका सिंह को उनकी दुल्हनिया ढूंढने में सहायता करेंगी। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 के चलते अपना जलवा बिखेरने के बाद हिना खान छुट्टियों पर चली गए थीं। हिना खान ने अपनी छुट्टियों के चलते जमकर मस्ती की तथा अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जयसवाल के साथ चालिटी टाइम गुजारा। मगर कुछ ही दिनों के भीतर अब हिना खान की छुट्टियों पर ब्रेक लगने वाला है। क्योंकि हिना खान जल्द अपने काम पर वापस लौटने वाली हैं।

वही छुट्टियां मनाने के बाद हिना खान अब वापस टेलीविज़न शो के सेट पर आएंगी। फिलहाल हिना खान, मीका सिंह और इस शो के निर्माताओं ने एक्ट्रेस की एंट्री को लेकर कुछ कहा नहीं है। लेकिन खबरों के मुताबिक, हिना खान को इस शो में देखा जाएगा। फिलहाल इस खबर से उनके फैंस बहुत खुश है।

# कांग्रेस बदलने को तैयार नहीं

अजीत द्विवेदी

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के बारे में अपनी जो ताजा राय व्यक्त की है उसमें उन्होंने कहा है, 'कांग्रेस पार्टी सुधरती नहीं है, अपने तो डूब रही है हमको भी डुबा देगी। हम 10 साल में सिर्फ एक चुनाव हारे 2017 में। कांग्रेस ने हमारा ट्रैक रिकॉर्ड खराब कर दिया, इसलिए उसके बाद हमने उनसे हाथ जोड़ लिया कि इन लोगों के साथ कभी काम नहीं करेंगे'। सचमुच प्रशांत किशोर ने 2017 के बाद कांग्रेस के लिए काम नहीं किया। हालांकि वे कांग्रेस के साथ जुड़ने जरूर गए थे लेकिन वह एक अलग मामला है। वे चुनाव रणनीतिकार के तौर पर नहीं, बल्कि एक नेता के तौर पर कांग्रेस के साथ जुड़ कर उसमें संरचनात्मक बदलाव करके उसे भाजपा से मुकाबले के लिए तैयार करने के मकसद से गए थे। उनके कई बार प्रेजेंटेशन देने के बावजूद जब कांग्रेस उनकी शर्तों पर राजी नहीं हुई तो लगा कि कांग्रेस एक चुनाव रणनीतिकार के तौर पर तो उनकी सेवा लेना चाहती है लेकिन एक नेता के रूप में पार्टी में शामिल कर उन्हें अपने मन से हर काम करने की छूट नहीं देना चाहती।

कांग्रेस ने हालांकि प्रशांत किशोर के कुछ सुझावों पर उदयपुर के नव संकल्प शिविर में विचार किया और उनमें से कुछ पर अमल का फैसला भी किया। लेकिन नव संकल्प शिविर के बाद पिछले तीन हफ्ते में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं उनसे ऐसा लग नहीं रहा है कि कांग्रेस इस बात को समझ पाई है कि उसके अंदर क्या कमी है और उसे क्या सुधार करना है। असल में कांग्रेस ने उदयपुर में अपनी कमियों पर चर्चा ही नहीं की। यह सोचा ही नहीं कि उसकी क्या कमजोरी है, जिसकी वजह से वह लगातार चुनाव हार रही है और जिसकी वजह से लगातार उसके नेता पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। तीन दिन तक पार्टी के शीर्ष नेता विचार करते रहे लेकिन हार पर चिंतन नहीं किया और न संगठन पर विचार हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव अगस्त में होना है। उसकी तैयारियों से भी पार्टी कोई राजनीतिक माहौल नहीं बना पाई है, जबकि भाजपा अध्यक्ष का चुनाव अगले साल होना है और उसने हर प्रदेश में लगातार कार्यसमिति का आयोजन करके राजनीतिक माहौल बनाया हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई है।

नव संकल्प शिविर के बाद जो सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है वह राज्यसभा के दोवार्षिक चुनाव हैं। इन चुनावों के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों को देख कर भी साफ हो गया है कि कांग्रेस किसी हाल में नहीं बदल सकती है। कांग्रेस ने कुल 10 उम्मीदवार उतारे हैं लेकिन उनमें महाराष्ट्र के एक, राजस्थान के तीन, छत्तीसगढ़ के दो और हरियाणा के एक यानी सात उम्मीदवारों को लेकर राज्यों में जबरदस्त विरोध है। सोचें, 10 में से सात उम्मीदवारों का भारी विरोध है और उन्हीं में से दो उम्मीदवार ऐसी लड़ाई में फंस गए हैं, जहां उनके जीतने की संभावना कम हो गई है। कांग्रेस ने कर्नाटक से जयराम रमेश, तमिलनाडु से पी चिदंबरम और मध्य प्रदेश से विवेक तन्खा को छोड़ कर बाकी सारे उम्मीदवार बाहरी दिए हैं। यानी जिस राज्य में सीटें खाली हुई हैं वहां की बजाय दूसरे राज्य का उम्मीदवार उतारा है। कांग्रेस ने ऐसा सिर्फ इसलिए किया है कि परिवार के प्रति निष्ठा रखने वालों को उच्च सदन में भेजा जा सके।

कांग्रेस ने उम्मीदवार तय करने में न तो सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा है और न क्षेत्रीय संतुलन का प्रयास किया है। बादशाह के हुक्मनामे की तरह उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए गए। उत्तर प्रदेश के रहने वाले राजीव शुक्ल छत्तीसगढ़ से, प्रमोद तिवारी राजस्थान से और इमरान प्रतापगढ़ी महाराष्ट्र से चुनाव लड़ रहे हैं। हरियाणा के रणदीप सुरजेवाला और महाराष्ट्र के मुकुल वासनिक राजस्थान से तो दिल्ली के अजय माकन हरियाणा से उम्मीदवार हैं। बिहार की रंजीत रंजन को छत्तीसगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके उलट भाजपा ने अपने 22 में सिर्फ दो उम्मीदवारों को उनके राज्य के बाहर टिकट दिया है। उसने निर्मला सीतारमण को कर्नाटक और के लक्ष्मण को उत्तर प्रदेश से उम्मीदवार बनाया है।

अगर सामाजिक समीकरण की बात करें तो भाजपा ने 22 उम्मीदवारों में से सिर्फ चार ब्राह्मण उम्मीदवार दिए हैं। इनके अलावा उसके ज्यादातर उम्मीदवार पिछड़ी और दलित जातियों के हैं। उसने इस बात का खास ख्याल रखा है कि कम से कम उम्मीदवार हाई प्रोफाइल हो। उसने ज्यादातर संगठन के नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को मौका दिया है। इसके उलट कांग्रेस ने 10 में से पांच ब्राह्मण सहित सात सवर्ण उम्मीदवार दिए हैं। कांग्रेस की सूची में एक दलित, एक ओबीसी और एक मुस्लिम है। इसके अलावा लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देने वाली पार्टी ने 10 में से सिर्फ एक महिला उम्मीदवार दिया है, जबकि भाजपा के 22 उम्मीदवारों में से चार महिलाएं हैं। भाजपा ने तीन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवार देकर कांग्रेस को फंसाया है लेकिन मौका होने के बावजूद कांग्रेस किसी राज्य में भाजपा को नहीं उलझा सकी। उलटे कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी नासमझी या अपरिपक्वता में झारखंड की सहयोगी पार्टी जेएमएम से संबंध खराब किया सो अलग।

कांग्रेस ने जिस तरह से अपने शासन वाले राज्यों- राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उम्मीदवार दिए हैं उससे ऐसा लग रहा है कि पार्टी ने इन दोनों राज्यों में अगले साल होने वाले चुनाव में जीतने का इरादा त्याग दिया है। अगर कांग्रेस इन राज्यों में लड़ने और जीतने का इरादा दिखाती तो सारे उम्मीदवार स्थानीय होते और राज्य के जातीय समीकरण के अनुरूप होते। जमीनी कार्यकर्ता होते और दोनों मुख्यमंत्रियों के हाथ मजबूत करने वाले होते। लेकिन उसकी बजाय पांच बाहरी व थके-हारे नेताओं को उम्मीदवार बना कर कांग्रेस आलाकमान ने अपने मुख्यमंत्रियों को भी मुश्किल में डाला है और आगे की संभावना भी खराब की है। दूसरी और बड़ी कमी यह है कि कांग्रेस अब भी उस बादशाही वाले अंदाज में काम कर रही है कि जो निष्ठावान नहीं है या कभी भी जिसने परिवार पर सवाल उठाया है उसको कुछ नहीं देना है। तभी पार्टी के अनेक उपयुक्त उम्मीदवारों की अनदेखी कर दी गई।

सोचें, इतनी खराब दशा में भी कांग्रेस परिवार के प्रति निष्ठावान लोगों को उपकृत करने और असंतुष्ट नेताओं को निपटाने के खेल में लगी है। इतने मुश्किल समय में पार्टी अपनी कमियों पर विचार नहीं कर रही है। पार्टी को एकजुट रखने और नेताओं से बात कर उनकी शिकायतों को दूर करने की बजाय ऐसे हालात बना रही है कि और नेता पार्टी छोड़ कर जाएं। नव संकल्प शिविर के बाद सुनील जाखड़ और कपिल सिब्बल जैसे पुराने नेता पार्टी छोड़ गए। कांग्रेस ऐसे दिखा रही है, जैसे उसे इसकी परवाह ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ नेताओं के मामले में पार्टी की यह एप्रोच है। पार्टी के पास कोई संगठन भी नहीं है और कोई कार्यक्रम भी नहीं है। इतनी घनघोर महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी के बावजूद सरकार को घेरने वाला कोई कार्यक्रम कांग्रेस नहीं चला रही है। भाजपा और क्षेत्रीय पार्टियां आगे होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में लगी हैं लेकिन कांग्रेस नेता पार्टी के अंदर एक-दूसरे को निपटाने के खेल में लगे हैं। असल में लगातार चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस के नेता इस मुगालते में हैं कि एक दिन लोग भाजपा से उब जाएंगे और फिर घर बैठे कांग्रेस को सत्ता सौंप देंगे। एक बार 2004 में ऐसा हो गया था लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है।

## सू- दोकू क्र.70

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | | | | 7 | |
| 9 | | | | 6 | | 3 | | 8 |
| | 7 | | 9 | | 5 | | 6 | |
| | | | | | | 1 | | 9 |
| 3 | | 8 | | 7 | | | 5 | |
| | 1 | | 3 | | 9 | | | 7 |
| | | 2 | | 8 | | 7 | | |
| | 8 | | | | 2 | | 4 | 3 |
| | | | 1 | | | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.69 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# तार-तार होती मर्यादाएं

देश में सामान्य स्थिति होती, तो इन घटनाओं को संवैधानिक संकट के रूप में देखा जाता। अपेक्षा यह होती है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की गिरफ्तारियां कोर्ट की देखरेख में हो और इसके पहले उस व्यक्ति को संबंधित पद से हटा दिया जाए।

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया और उन पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना के कई महीने गुजर चुके हैं, लेकिन महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन ने उन्हें मंत्री बनाए रखा है। इसलिए कि गठबंधन की राय में मलिक निर्दोष हैं और उन्हें केंद्र सरकार ने सियासी कारणों से फंसाया है। अब केंद्रीय एजेंसी (प्रवर्तन निदेशालय) ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री जितेंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। आम आदमी पार्टी ने भी इसे राजनीति से प्रेरित मामला बताया है। कहा है कि जैन को पार्टी ने हिमाचल प्रदेश की अपनी इकाई का प्रभारी बनाया था, जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसीलिए केंद्र की भाजपा सरकार ने उन्हें फंसाया है। अगर देश में सामान्य संवैधानिक स्थिति होती, तो इन घटनाओं को एक तरह के संवैधानिक संकट के रूप में देखा जाता। क्योंकि अपेक्षा यह होती है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की गिरफ्तारियां कोर्ट के आदेश पर उसकी देखरेख में हो और इसके पहले उस व्यक्ति को संबंधित पद से हटा दिया जाए। लेकिन वर्तमान में ऐसी मर्यादाओं और कायदों के तार-तार हो चुके हैं। इसमें सबके पास अपना नैरैटिव है, जिस पर किसी प्रकार की न्यूनतम आम सहमति बनने कि गुंजाइश खत्म हो चुकी है। जबकि सामान्य समझ यह है कि ऐसी आम सहमति के बिना कोई लोकतंत्र नहीं चल सकता।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी आम सहमति तोड़ने में अकेली भाजपा की ही भूमिका नहीं है। खुद आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता पाते ही पुलिस के दुरुपयोग और मर्यादा की सीमाएं लांघने में कोई देर नहीं लगाई। पंजाब के पिछले चुनाव के दौरान जब केंद्रीय एजेंसियों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को निशाना बनाया, तो जहां कांग्रेस ने उसे राजनीति से प्रेरित बताया था, वहीं आम आदमी पार्टी ने उसे भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई बता कर उसका स्वागत किया था। यानी बात यह है कि जब मर्यादा का उल्लंघन आपके हित में हो, तो वह सबको उचित लगता है। वरना, संविधान और नियमों की याद आने लगती है। राजनीतिक दलों के इस रवैए का शिकार भारतीय लोकतंत्र बना है, जिसके भविष्य की संभावनाएं लगातार अंधकारमय होती जा रही हैं।(आरएनएस)

## टीवी के बाद ओटीटी पर होने जा रही है मोनालिसा की ग्रैंड एंट्री, शेयर किया नया लुक

टीवी जगत की मशहूर अदाकारा मोनालिसा हर दिन सफलता की नई कहानी लिखती दिखाई दे रही हैं। भोजपुरी फिल्मों में नाम कमाने के बाद उन्होंने टीवी की दुनिया में एंट्री की। टीवी प्रशंसकों पर अपनी गहरी छाप छोड़ने के बाद अब मोनालिसा अपने पहले ओटीटी डेब्यू को तैयार हैं। ओटीटी डेब्यू को लेकर वो निरंतर सुर्खियों में भी बनी हुई हैं। वहीं अब उन्होंने आगामी सीरीज से जुड़ा एक पोस्ट भी साझा किया है।

वही जल्द ही मोनालिसा धप्पा वेब सीरीज में दिखाई देने वाली हैं। हाल ही में वो धप्पा के इवेंट में भी पहुंचीं थीं। वहीं अब मोनालिसा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं। इन फोटोज में मोनालिसा पिंक कलर की साड़ी में गजब की खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में धप्पा का स्नदृश भी लगा है, जिससे अनुमान लगाया जा सकता है कि शायद सीरीज में वो इसी लुक में दिखाई दे। धप्पा हंगामा प्ले पर रिलीज होगी, जिसमें जय भानुशाली लीड किरदार में नजर आने वाले हैं। वही गुलाबी कलर की साड़ी में मोनालिसा के पोज सीरीज को लेकर उनका उत्साह और आत्मविश्वास को बयां कर रहे हैं। मोनालिसा के प्रशंसक उनकी तस्वीरों तथा आगामी सीरीज दोनों को लेकर ही खुश हैं। (आरएनएस)

# एसटीएफ ने 15 लाख की ठगी करने के आरोपी को ओडिशा से किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने 15 लाख रूपये की ऑनलाईन ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को ओडिशा से गिरफ्तार किया। इससे पूर्व इस गिरोह के सदस्यों को पंजाब, भोपाल व मुम्बई से गिरफ्तार किया जा चुका है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी स्पेशल टास्क फोर्स अजय सिंह ने बताया किं एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को वर्ष 2021 मे प्राप्त हुआ था। जिसमें अकिंत कुमार निवासी सुभाष नगर ज्वालापुर हरिद्वार के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वंय को जीएलसी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी मे आनलाईन ट्रेडिंग की बात बताकर फर्जी बेवसाइट के माध्यम से पैसे कमाने का लालच देकर आनलाईन कुल पन्द्रह लाख रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर ठगी की है। शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जिसमे पूर्व मे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

जांच के दौरान मोबाईल नम्बर व खातों की जानकारी से अभियुक्तगणों का राऊरकेला जनपद सुन्दरगढ (ओडिशा) से सम्बन्ध होना पाया गया जिसमें टीम को राऊरकेला जनपद सुन्दरगढ (ओडिशा) व अन्य सम्भावित स्थानो में रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से ठगों द्वारा पीडित को जो खाता संख्या व मोबाईल नम्बर दिये थे व धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि की खातो के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी व उक्त खाते का खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये मुकदमें में एक जाकी अहमद सिद्दिकी पुत्र स्व० शमून अहमद निवासी नौशाद खान ब्लाक सैक्टर -15 थाना व पोस्ट सैक्टर -15 राऊरकेला स्टील टाउनशीप एरिया जनपद सुन्दरगढ (ओडिशा) से गिरफ्तार करते हुये घटना में प्रयक्त मोबाईल फोन बरामद किया गया।

# सोने के जेवरात लूटकर युवक फरार

संवाददाता

देहरादून। सुनार की दुकान से सोने की अंगूठिया लूटकर युवक फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिद्वार रोड निवासी उषा पंवार ने नेहरू कालोनी थाने मे मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी धर्मपुर मे बाटा शो रूम के सामने हिमानी ज्वैलर्स की दुकान है आज समय लगभग दो बजे दोपहर जब वह अपनी दुकान पर थी तो उस समय एक लडका उनकी दुकान में आया तथा अँगुठी देखने लगा , वह जब उस लडके को डिब्बे में अंगुठियाँ दिखा रही थी इसी दौरान जैसे ही वह केल्कुलेटर पर हिसाब लगा रही थी तो उसकी नजर हटते ही वह लडका डब्बा उठाकर भाग गया। जब तक उसने देखा तब तक वह गेट से बाहर भाग गया था। डिब्बे मे 8 लेडिस व 4 जेटस सोने की अँगुठिया थी, वजन लगभग 30 ग्राम है । उक्त लडके द्वारा चोरी कर ली गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## विजिलेंस के सामने पहुंच ही... ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

में छापे मारे गए थे। जिसमें दून में उनकी अन्य कई करोड़ की संपत्तियों का खुलासा हुआ था। यादव अभी भी उत्तराखंड में अपर सचिव कृषि के पद पर तैनात हैं और वह 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले हैं लेकिन फिलहाल कुछ दिनों से वह छुट्टी पर चल रहे है।

# बंद मकान से 14 लाख के आभूषण चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। बंद मकान का ताला तोड़ लाखों के आभूषण चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा एक व्यक्ति को चुराये गये आभूषणों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 21 जून की शाम राजेश कुमार नन्दा पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम शैल एनटीडी थाना व जिला अल्मोड़ा द्वारा कोतवाली अल्मोड़ा में तहरीर देकर बताया गया कि उनके घर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोड़कर 14 लाख के सोने-चाँदी के आभूषण व अन्य सामान चोरी कर लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस आलाधिकारियों द्वारा इसके खुलासे हेतू एसओजी को भी लगाया गया।

चोरी के खुलासे में जुटी पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। चैकिंग के दौरान संयुक्त टीम को स्यालीधार बैंड से पहले तलाड़बाड़ी जाने वाली कच्ची सड़क के पास एक संदिग्ध युवक स्यालीधार की ओर आता दिखा, जिसकी पीठ में बैग टंगा था, शक होने पर बैग की तलाशी ली गई तो बैग से सोने-चाँदी के आभूषण व एक कैमरा, कीमत 14 लाख रूपये के बरामद हुए। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम कमलेश काण्डपाल पुत्र मोहन चंद्र काण्डपाल बताया साथ ही उसने चोरी किया जाना स्वीकार किया। युवक द्वारा बताया कि वह बोलेरो टैक्सी चलाता है, उस पर काफी लोन होने के कारण लोन भरने के लिए उसके द्वारा ग्राम शैल में राजेश कुमार नन्दा व परिवारजनों के घर में न होने का फायदा उठाकर ताला तोड़कर चोरी की गई है।

# घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

सवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहपुर कल्याण पुर निवासी रघुवीर सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# बालश्रम कराने पर दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बालश्रम कराने वाले दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा तीन बच्चों को मुक्त कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी आसरा ट्रस्ट की राखी वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जिला टास्क फोर्स (बाल श्रम उल्मूलन) ने एक बालक संजय (उम्र 12 वर्ष)पुत्र गुलजार सिहं निवासी खुडबुडा छब्बील बाग नियर बाबा दीप सिंह गुरुद्वारा कांवली रोड देहरादून को क्वालिटी जूस फ्रूट एंड शेक बार, चकरोता रोड देहरादून से बाल श्रम से मुक्त करवाया गया। बालक लगभग 4 महीनो से काम कर रहा है। एंव 4 हजार रूपये प्रतिमाह मेहन्ताना मिलता है। वही जिला टास्क फोर्स (बाल श्रम उनमूलन) के द्वारा दो बालको अनीश कुमार (उम्र 13 वर्ष पुत्र सन्तोष महतो कुमार चौक पोस्ट आफिस की गली में देहारदून २- रोहन उम्र 14 वर्ष पुत्र राजेश साहनी गोविन्द गढ आजाद कालोनी देहरादून दोनो बालको को जे.के. शूज न्यू चकराता रोड, देहरादून से बाल श्रम से मुक्त करवाया गया। पुलिस ने दोनों दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# एफआरआई में संविदाकर्मियों का धरना दूसरे दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर वन अनुसंधान संस्थान से निकाले गये तथा समूह से जुडे संविदाकर्मियों ने 21 जून से अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया था। धरने के दूसरे दिन कर्मियों ने डायरेक्टर को अपना मांग पत्र सौंपकर धरना जारी रखा।

आज यहां भारत संवैधानिक अधिकार संरक्षण मंच के बैनर तेल एफआरआई में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे संविदाकर्मियो ने दूसरे दिन वन अनुसंधान के डायरेक्टर को अपना सात सूत्रीय मांग पत्र सौपकर धरना जारी रखा। मंच के राष्ट्रीय संयोजक दौलत कुंवर ने कहा कि कुछ अधिकारी जानबूझ कर इतने बडे संस्थान को बदनाम करवाना चाहते है। इन अधिकारियों ने जान बूझकर 15 व 20 वर्षो से काम करने वाले कर्मचारियो को सिर्फ इसलिए हटाया कि इनकी जगह अब डायरेक्टर नये लोगों को नौकरी पर रखना चाहते है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। संविदकर्मियो की मांग है कि वन अनुसंधान संस्थान के सभी निकाले गये संविदाकर्मियो को उसी प्रभाग, अनुभाग तथा पद पर पुन: नियुक्त किया जाये तथा समूह के सभी सदस्यों को संस्थान में कार्य हेतु 60 वर्ष तक निर्धारण किया जाये। उन्होने मांग की है कि समूह के सभी सदस्यों के लिए समान कार्य समान वेतन लागू किया जाये तथा महंगाई को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों के वेतन पर प्रत्येक वर्ष महंगाई भत्ता लागू किया जाये। इसके साथ ही संविदाकर्मियों को प्रत्येक वर्ष मिलने वाले सभी अवकाश प्रदान किये जाएं। धरने पर बैठने वालों मे अजय शर्मा, प्रहलाद सिंह निहाल, सुनील कुमार, राजीव, सूर्य प्रकाश, चन्दर सिंह तोमर, मुनेश देवी, राकेश कुमार, मन्नू, लक्ष्मण सुबेदी आदि शामिल थे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

## एक नजर

# इस्तीफा दे सकते हैं उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। सियासी संकट के बीच उद्धव ठाकरे ने कैबिनेट बैठक बुलाई थी। बैठक में एनसीपी और कांग्रेस कोटे के मंत्री जरूर पहुंचे, लेकिन शिवसेना का कोई मंत्री नहीं आया। खुद उद्धव ठाकरे भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जरिए जुटे, क्योंकि उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उद्धव ठाकरे के बारे में कहा जा रहा है कि अब वे इस्तीफा देने का मन बना रहे हैं। इस बारे में उद्धव अपने सहयोगियों और सरकार के साथियों से विचार–विमर्श कर रहे हैं। शिवसेना की सोच यही है कि विधानसभा में सरकार गिरने से अच्छा है कि उद्धव पहले ही इस्तीफा दे दे। कैबिनेट की बैठक से पहले शिवसेना सांसद संजय राउत

ने संकेत दिए कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर सकती है। संजय राउत ने सीधे तौर पर कहा, महाराष्ट्र में मौजूदा राजनीतिक हालात विधानसभा भंग होने की ओर बढ़ रहे हैं। गुवाहाटी एयरपोर्ट पर एकनाथ शिंदे ने बड़ा दावा किया। बकौल एकनाथ शिंदे, मेरे साथ शिवसेना के ४० विधायक मौजूद हैं। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोरोन संक्रमित हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं उद्धव ठाकरे की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव हुई हैं।

# मोटरसाईकिल सवार तीन बदमाशों ने लूटे एक लाख रुपये

देहरादून (संवाददाता)। मोटरसाईकिल सवार तीन बदमाशों ने स्कूटी सवारों को टक्कर मारकर एक लाख रूपये नगद लूट लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी रोड निवासी तजिन्दर सिंह ग्रोवर ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने दोस्त रघुवीर सिंह पटवाल के साथ वाहानों की नीलमी में भाग लेने के लिए 95000 कैश लेकर आपनी स्कुटी से सुबह साढे नौ बजे निकले।

रूडकी पहुंचने पर उसने सिक्योटी के एक लाख रुपये जाम कराए। 35 हजार रूपये उसने बैंक से निकाले थे। नीलमी खत्म होने के बाद लगभग रात्रि पौने बारह बजे रुड़की से देहरादून के लिए चले थे। समय लगभग पौने दो बजे एक मोटरसाईकिल पर सवार 03 व्यक्तियों द्वारा तीन पानी फ्लाईओवर के ऊपर उनकों धक्का मार के गिरा दिया और उसकी शर्ट के अंदर रखे कैश एक लाख 30 हजार रूपये लूटकर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

ओडिशा । झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजग की उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद रायरंगपुर के शिव मंदिर में सफाई करते वीडियो सामने आया है। मंदिर की सफाई के बाद मुर्मू ने यहां पूजा अर्चना की। द्रोपदी मुर्मू की मंदिर की सफाई करते और पूजा अर्चना करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि

मुर्मू ने ना सिर्फ शिव मंदिर बल्कि उन्होंने प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर भी पूजा अर्चना की। राष्ट्रपति चुनाव के लिए राजग की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू बुधवार जगन्नाथ मंदिर पहुंची और यहां पूजा–अर्चना की। राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए की बतौर उम्मीदवार घोषणा के बाद द्रौपदी मुर्मू ने कहा, मैं आश्चर्य हूं और मुझे विश्वास नहीं हो रहा। मैं आप सभी की आभारी हूं और ज्यादा बोलने की इच्छा नहीं है। संविधान में राष्ट्रपति की जो भी शक्तियां हैं मैं उसके अनुसार काम करूंगी। बकौल द्रौपदी मुर्मू, हमारा काम लोगों के पास जाना, निर्वाचक मंडल के सदस्यों तक पहुंचना और उनका सहयोग लेना है। मैं सभी दलों और राज्यों से समर्थन के लिए अनुरोध करूंगी। निर्वाचित होने पर मुर्मू आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति होंगी।

# भाजपा की बातें वन रैंक वन पेंशन की, और काम नो रैंक नो पेंशन का: राहुल

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में अग्निपथ योजना को लेकर जहां भाजपा पर बड़ा हमला बोला वहीं ईडी द्वारा की जा रही पूछताछ पर भी कहा कि कांग्रेसी नेता किसी से डरने वाले नहीं हैं।

राहुल गांधी ने आज सरकार की अग्निपथ योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो भाजपा नेता अपने आप को सबसे बड़ा देश भक्त मानते हैं वह देश की सेनाओं को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि 4 साल सेना में काम करने से क्या सेनाओं का भला होगा और क्या रोजगार पाने वाले युवाओं का भविष्य होगा। उन्होंने कहा कि वह अपने आप को सबसे बड़ा राम भक्त बताते हैं तथा सैन्य परिवारों व सैनिकों का हितैषी बताते हुए वन रैंक वन पेंशन की बातें करते थे लेकिन अब वह नो रैंक नो पेंशन हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जब युवाओं को पता होगा कि यह नौकरी सिर्फ 4 साल की है तो वह

**❑कांग्रेस का नेता किसी से डरने वाला नहीं**

क्या सेवा करेंगे? इसके बाद बेरोजगार होकर घर लौट आएंगें। इससे देश की सेनाएं मजबूत होने की बजाय और कमजोर होंगी यह 4 साल की नौकरी युवाओं के साथ सिर्फ छलावा है।

5 दिन लंबी ईडी की पूछताछ के बारे में उन्होंने कहा कि अब ईडी के अधिकारियों को भी यह पता चल गया है कि कांग्रेसी नेता किसी से डरने वाले नहीं हैं उन्हें कोई भी डरा या धमका नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश की लड़ाई लड़ी है सत्य की लड़ाई लड़ी है और कांग्रेसी नेता आखरी दम तक यह लड़ाई लड़ते रहेंगे वह किसी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई भी हथकंडा उनकी आवाज को न दबा सकता है न बंद करा सकता है।

## सत्याग्रह कांग्रेस के डीएनए में: हरीश

नई दिल्ली। कांग्रेस कभी सत्याग्रह का रास्ता नहीं छोड़ सकती है। कांग्रेस का सत्याग्रह हमेशा जारी रहेगा। सत्याग्रह कांग्रेस के डीएनए में है। यह बात पूर्व सीएम हरीश रावत ने कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे सत्याग्रह को लेकर कहीं गई। उन्होंने कहा कि सत्याग्रही कभी थकता नहीं है कभी सत्याग्रह हारता नहीं है। कांग्रेस का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि सत्याग्रह कभी खत्म नहीं होता। जीत हमेशा सत्य की ही होती है, सत्यमेव जयते। उन्होंने कहा कि ईडी ईडी 5 दिन बुलाए या 500 दिन इससे क्या फर्क पड़ता है हमारा सत्याग्रह सदैव जारी रहेगा।

## बालिका निकेतन से मेडिकल के लिए आयी किशोरी अस्पताल से फरार

संवाददाता

देहरादून। बालिका निकेतन से मेडिकल के लिए केरोनेशन अस्पताल आई किशोरी चकमा देकर फरार हो गयी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे चाइल्ड लाइन टीम सदस्य वर्षा भारद्वाज बालिका निकेतन केदारपुरम् से किशोरी को अपनी अभिरक्षा में मेडिकल परीक्षण कराने के लिए कोरोनेशन हास्पिटल में लाया गया। घर से भागे हुए बच्चों के मेडिकल कराने के लिए एक पुलिस कर्मी साथ होता है लेकिन गत दिवस कोई भी पुलिस कर्मी बालिका के साथ नही था।

हास्पिटल में काफी लम्बी लाइन लगी हुई थी जिसमें किशोरी के साथ चाइल्ड लाइन सदस्य भी खड़ी थी किशोरी का सम्पुर्ण मेडिकल परीक्षण होना था इस लिए चाइल्ड लाइन सदस्य किशोरी को लाइन में अकेला छोड़कर डाक्टर के पास चली गई मेडिकल से सम्बंधित बात करन के लिए लेकिन जब सदस्य मेडिकल वाली लाइन के पास वापस आई तो किशोरी वहां नही मिली इसके उपरान्त रेलवे चाइल्ड लाइन टीम ने पूरे कोरोनेशन हास्पिटल में उसकी तलाश की लेकिन वह हास्पिटल में नही मिली। शाम 4 बजे तक किशोरी की तलाश की गई जिसमें हास्पिटल के सीसीटीवी की फुटेज भी देखी गयी लेकिन बालिका का कुछ पता नहीं चला तब इस मामले की सूचना से बाल कल्याण समिति देहरादून को अवगत कराया गया जिसमें जिन्होंने प्रथम सूचना रिर्पोट दर्ज कराने को कहा तब रेलवे चाइल्ड लाइन टीम सदस्य ने डालनवाला में उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी।

# राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए विभागों को सुनियोजित प्लानिंग करनी होगी: सीएम

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में राज्य सम्पति विभाग की बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो भी कार्य किये जा रहे हैं, उन्हें सुनियोजित तरीके से किया जाए, जिससे कम खर्चे में अधिक आउटपुट मिले। राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए विभागों को सुनियोजित प्लानिंग करनी होगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए जो भी नई योजनाएं बन रही हैं, उनमें कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि २०२५ में जब उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयन्ती मनायेगा। उत्तराखण्ड को देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए सभी विभागों को कार्यों में तेजी के साथ आपसी समन्वय से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों कि गुणवत्ता खराब होने पर संबधितों पर सख्त कारवाई की जायेगी। उन्होंने राज्य सम्पति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एकीकृत पैटर्न पर कार्य किये जाए। राज्य सम्पति विभाग के प्रस्तुतीकरण से मुख्यमंत्री नाखुश थे, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रस्तुतीकरण सूक्ष्म व स्पष्ट हो। धरातल पर आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किये जाए।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव श्री प्रताप शाह एवं राज्य संपति विभाग के अधिकारी थे।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*